RAN-2401001203010003

RAN-2401001203010003

S.Y.B.A. (Sem. - III) Examination March - 2026

Hindi (Major - 5) (Paper - V)

छायावादी कविता (छायावादः प्रतिनिधि रचनाएँ)

[Total Marks: 50

સૂચના : / Instructions	Seat No.:
(1) ઉપરોક્ત દર્શાવેલ વિગતો ઉત્તરવહી પર અવશ્ય લખવી. Fill up strictly the above details on your answer book	Student's Signature

प्र. 1. निम्नलिखित प्रश्नों में से पांच प्रश्नों के संक्षिप्त में उत्तर लीखिए। **10**

1) 'इतना न चमत्कृत हो बाले' कविता में किसका चित्रण है?
2) 'जागरी' कविता में व्यक्त प्रकृति चित्रण के दो वाक्य लिखिए।
3) 'जूही की कली' काव्य में निरालाजी ने किन भावों का चित्रण किया है?
4) निरालाजी ने 'सरोज स्मृति' में किसके प्रति अपनी अनुभूति को चित्रित किया है?
5) बादल अपना परिचय देते हुए क्या कहता है?
6) 'मधुर मधुर मेरे दीपक जल' काव्य क्या कहना चाहता है?
7) 'क्या पूजन क्या अर्चन रे' कविता का भावार्थ दो - तीन वाक्य में समझाइए।

प्र. 2. जयशंकर प्रसाद रचित ''नाविक ! इस सूने तट पर' कविता में व्यथा और वेदना की सुंदर अभिव्यक्ति हुई है''- स्पष्ट कीजिए। **13**

अथवा

प्र. 2. जयशंकर प्रसाद राष्ट्रीय भावना से ओतप्रोत कविता के रूप में 'पेशोला की प्रतिध्वनि' कविता की स्पष्टता कीजिए।

प्र. 3. निराला रचित 'स्नेह निर्झर बह गया' कविता में व्यक्त कवि के विचारों को अपने शब्दों में लिखिए। **13**

अथवा

प्र. 3. सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' रचित 'भारती - वंदना' कविता का कथावस्तु के आधार पर भावार्थ समझाइए।

प्र. 4. **(अ) टिप्पणी लिखिए। (एक)** **07**

1) सुमित्रानंदन पंत रचित 'ताज' कविता का भावार्थ।

अथवा

2) महादेवी वर्मा रचित 'विरह का जलजात जीवन' कविता का सार।

(ब) ससंदर्भ व्याख्या कीजिए। (एक) **07**

''मानव का मानव पर प्रत्यय,
परिचय, मानवता का विकास,
विज्ञान-ज्ञान का अन्वेषण,
सब एक एक, सब में प्रकाश!''

अथवा

''झंझा है दिगभ्रांत रात की मूर्च्छा गहरी,
आज पुजारी बने, ज्योति का यह लघु प्रहरी,
जब तक लौटे दिन की हलचल,
जब तक यह जागेगा प्रतिपल,
रेखाओं में भर आभा - जल,
दूत सर्वांझ का इसे प्रभाती तक चलने दो!''